न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही (राज.)

बईजलास श्री भगवती प्रसाद, आई.ए.एस.

प्रार्थना–पत्र संख्या 28/2020

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
प्राधिकृत अधिकारी एस आर जी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड़ शास्त्री सर्किल उदयपुर।		1. श्री विमल कुमार पुत्र श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही। 2. श्री नारायणलाल पुत्र श्री गजाराम जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही। 3. श्री रविकुमार पुत्र श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही। 4. श्रीमती लीलादेवी पत्नि श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही। 5. श्री समेलाराम पुत्र श्री मोटाराम निवासी रेवारीबास जिला सिरोही। 6. श्री सोनाराम पुत्र श्री सोमाराम निवासी शाजी की बाड़ी वार्ड नं. 12 सिरोही।

<u>प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14 दी सिक्यूराइटेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002</u>

उपस्थिति :–

1. श्री कुलदीपसिंह चारण अधिवक्ता, प्रार्थी बैंक ।

<u>निर्णय</u>

दिनांक : 05.10.2020

प्रार्थी ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 दी सिक्यूराइटेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेन्ट आफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 के तहत अप्रार्थीगण के विरूद्व प्रस्तुत किया । प्रार्थी का प्रार्थना–पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया ।

प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी पक्ष के द्वारा अप्रार्थी

1. श्री विमल कुमार पुत्र श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही।
2. श्री नारायणलाल पुत्र श्री गजाराम जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही।
3. श्री रविकुमार पुत्र श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही।
4. श्रीमती लीलादेवी पत्नि श्री नारायणलाल जाति सोनी निवासी मालगांव जिला सिरोही।
5. श्री समेलाराम पुत्र श्री मोटाराम निवासी रेवारीबास जिला सिरोही।
6. श्री सोनाराम पुत्र श्री सोमाराम निवासी शाजी की बाड़ी वार्ड नं. 12 सिरोही।

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhagwati Prasad Kalal
Date: 2021.01.12 16:54:29 IST
Reason: SelfAttested

को राशि रूपये 15,00,000/– की ऋण सुविधा उपलब्ध कराई तथा पुनर्भुगतान हेतु अप्रार्थी ने अपनी जायदाद बैंक के पास बतौर अमानत बंधक रखी थी ।

जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही

Scanned with CamScanner

अप्रार्थी ने अपनी जायदाद आवासीय प्लॉट मौजा मालगांव पट्टा संख्या 57 बुक सं. 196 क्षेत्रफल 1873.125 वर्ग फीट जो नारायणलाल पुत्र श्री गजाराम सोनी के नाम मौजा मालगांव जिला सिरोही को बैंक/कम्पनी के पक्ष मे रहन कर दिया।

अप्रार्थी द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी के बैंक/कम्पनी को ऋण का भुगतान करने मे असफल रहने पर प्रार्थी द्वारा ऋण राशि मय ब्याज के अदा करने हेतु उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थी के नाम रजिस्टर्ड नोटिस दिनांक 13.02.2020 को जारी किये गये । जो पंजीकृत डाक के माध्यम से तामिल करवाये गये उसके पश्चात भी अप्रार्थी द्वारा ऋण राशि मय ब्याज भुगतान नही करने पर प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीयो के द्वारा बतोर जमानत रहन रखी गई सम्पति इत्यादि का कब्जा प्रार्थी बैंक/कम्पनी को संभलाने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया ।

प्रार्थी के लायक अधिकारी/अधिवक्ता की बहस सुनी । विद्वान अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र मे वर्णित बिन्दुओ की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी एक नियमित निकाय है जो अपनी शाखाओं के माध्यम से ऋण देने का व्यवसाय करती है उसकी शाखाओं मे से एक उदयपुर मे भी स्थित व कार्यरत है । प्रार्थी बैंक/संस्था द्वारा अप्रार्थीगण को रूपये 15,00,000/– ऋण स्वीकृत किया था । जिसकी एवज में अपनी जायदाद बैंक/कम्पनी के पक्ष में बन्धक रखी गई थी जिसका वर्णन प्रार्थना पत्र मे किया गया है । बहस मे कहा कि अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी पक्ष को नियमित रूप से ऋण राशि व ब्याज राशि का भुगतान नही करने के कारण एक्ट की धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस जारी किये गये किन्तु अप्रार्थी द्वारा देय ऋण राशि का भुगतान नही किया गया । भुगतान नही करने के फलस्वरूप अप्रार्थी स्वयं जिम्मेदार है । अतः अप्रार्थीगण द्वारा बतोर जमानत प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष मे रहन रखी गई उक्त जायदाद इत्यादि का कब्जा प्रार्थी बैंक/कम्पनी को दिलाया जावे ।

प्रार्थी पक्ष की बहस सुनी । अप्रार्थी द्वारा राशि रूपये 15,00,000/– का ऋण लिया था । ऋण राशि के बदले में अप्रार्थी द्वारा अपनी जायदाद को बैंक/कम्पनी के पक्ष मे उक्त जायदाद रहन रखी । प्रार्थी द्वारा नियमानुसार धारा 13(2) के अधीन अप्रार्थी को रजिस्टर्ड नोटिस भी दिनांक 13.02.2020 को जारी किये है जिनकी प्राप्ति के पश्चात भी अप्रार्थी द्वारा देय राशि का भुगतान नही किया है ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagwati Prasad Kalal
Date: 2021.01.12 16:54:29 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही

Scanned with CamScanner

दी सिक्यूराइटेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेन्ट आफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 की धारा 14 निम्न प्रकार है :–

14 . Chief Metropolitan Magistrate or District Magistrate to assist secured creditor in taking possession of secured asset – (1) Where the possession of any secured assets is required to be taken by the secured creditor or if any of the secured assets is required to the sold are transferred by the secured creditor under the provisions of this Act, the secured creditor may, for the purpose of taking possession or control of any such secured asset, request, in writing the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate within whose jurisdiction any such secured asset or other document, relating thereto may be situated or found to take possession thereof and the

Chief Metropolitan Magistrate or as the case may be, the District Magistrate shall, on such request being made to him –

(a) take possession of such asset and documents relating thereto and

(b) forward such assets and documents to the secured creditor

(2) For the purpose of securing compliance with the provisions of sub-section (1) , the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate may be take or cause to be taken such steps and use, or cause to be used, such force, as may, in his opinion, be necessary.

परिणामस्वरूप तथ्यों के संदर्भ मे प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 दी सिक्यूराइटेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेन्ट आफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 मे प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष मे प्रतिभूति के रूप मे रखी गई अपनी जायदाद आवासीय प्लॉट मौजा मालगांव पट्टा संख्या 57 बुक सं. 196 क्षेत्रफल 1873.125 वर्ग फीट जो नारायणलाल पुत्र श्री गजाराम सोनी के नाम मौजा मालगांव जिला सिरोही को बैंक/कम्पनी पक्ष मे रहन कर दिया । जिसका अडोस पडोस निम्न प्रकार है।

पूर्व– दरवाजा व आम रास्ता

पश्चिम– शेरसिंह, गणपतसिंह पुत्र श्री बलवंतसिंह का बाडा

उत्तर– रावले में जाने का रास्ता

दक्षिण– श्री शिवराम पुत्र श्री तुल्का रावल का मकान

उपरोक्त जायदाद का कब्जा अप्रार्थी से प्राप्त कर जरिये संबंधित पुलिस थाना से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को संभलाये जाने का आदेश दिया जाता है । यदि उक्त सम्पति किसी भी तरीके से बंद पा[illegible]पति पर प्रार्थी बैंक अपना कब्जा स्थापित करें । आदेश की प्रति [illegible] पुलिस अधीक्षक सिरोही, संबंधित थानाधिकारी पुलिस [illegible] एवं प्रार्थी बैंक/क[illegible] को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जावे । आदेश आज दिनांक 05.10.2020 को सरे इजलास सुनाया गया ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhagwati Prasad Kalal
Date: 2021.01.12 16:54:29 IST
Reason: SelfAttested

(भगवती प्रसाद)
जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही

Scanned with CamScanner